सप्तदश

बिहार विधान सभा

त्रयोदश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 08 अग्रहायण, 1946 (श०) / 29 नवम्बर, 2024 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 05

(1)	स्वास्थ्य विभाग	 03
(2)	ऊर्जा विभाग	 02
		कुल योग -- 05

व्यवस्था को तत्काल ठीक करना

25. श्री राणा रणधीर (क्षेत्र संख्या-18 मधुबन)--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के आई0जी0आई0एम0एस0, पटना में सभी प्रकार की बीमारियों की जाँच अल्ट्रासाउण्ड एवं एम0आर0आई0 की समुचित सुविधा उपलब्ध रहने के बावजूद मरीजों को जाँच के लिये तीन महीने बाद समय दिया जाता है एवं जाँच रिपोर्ट मिलने में भी 10 दिनों का समय लगता है, जिससे मरीजों के त्वरित इलाज में विलम्ब होता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि जाँच हेतु महीनों इंतजार के कारण मरीजों का इलाज समय पर नहीं होने से मजबूरन उन्हें संस्थान के बाहर अन्यत्र जाँच केन्द्रों में जाँच कराना पड़ता है, जिससे मरीजों पर आर्थिक भार पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार आई0जी0आई0एम0एस0, पटना की उक्त व्यवस्था को तत्काल ठीक कर गरीब मरीजों को लाभ देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

दवा का वितरण

26. श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह (क्षेत्र संख्या-194 आरा)--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 26 अक्टूबर, 2024 को प्रकाशित शीर्षक ''बाजार में खप जाती अधिकांश गैरमानक दवाएँ'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने अगस्त माह 2024 में नोट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एन0एस0क्यू0) अलर्ट जारी की है, जिसमें दर्द निवारण, बुखार, गैस, बी0पी0 सहित 48 दवाएँ शामिल किया गया है जिसमें सब स्टैंडर्ड या नकली दवाएँ बेची जा रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि रोगियों को अमानक दवाएँ नियमित रूप से लेने के कारण फायदा नहीं होने पर दूसरी दवाओं का बेवजह उपयोग करने के कारण किडनी सहित अन्य जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के अनुसार राज्य में दवा का वितरण मानक के अनुरूप कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

27. श्री अजीत शर्मा (क्षेत्र संख्या-156 भागलपुर)--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के शहरी क्षेत्रों में ई0ई0एस0एल0 द्वारा 18 लाख प्रीपेड मीटर शहरी क्षेत्रों में लगाये जा चुके हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि नवम्बर, 2023, मई, 2024 और अभी अक्टूबर, 2024 में प्रीपेड मीटर का सर्वर फेल हो जाता है जिसके कारण उपभोक्ताओं को अपनी बिजली खपत का पता नहीं चलता और एकमुश्त भारी भरकम राशि बिजली मद में चुकानी पड़ती है ;

(3) क्या यह बात सही है कि लगाये गये सभी मीटर टेस्टेड नहीं रहते हैं बल्कि सैम्पल टेस्ट के आधार पर प्रीपेड मीटर लगाया जाता है जिसके कारण सर्वर से कनेक्शन फेल होने संबंधी समस्या आ रही है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार त्रुटिपूर्ण और अनटेस्टेड मीटर लगाने वाली एजेंसी के विरुद्ध कौन-सी कार्रवाई कबतक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

डेंगू की रोकथाम

28. मो0 आफाक आलम (क्षेत्र संख्या-58 कसबा)--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 3 अक्टूबर, 2024 को प्रकाशित शीर्षक "पटना के 70 समेत राज्य में डेंगू के 153 मरीज मिले" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में जनवरी, 2024 से 1 नवम्बर, 2024 तक डेंगू पीड़ितों की संख्या 7489 है जिसमें पटना जिला में 3705 है तथा सरकारी आँकड़े के अनुसार अबतक 15 लोगों की मौत हो चुकी है ;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य में विगत तीन वर्षों में डेंगू के मरीजों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार राज्य में डेंगू मरीजों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण समाधान हेतु कौन-कौन से कदम उठने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री--(1) स्वीकारात्मक है ।

(2) आंशिक स्वीकारात्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि वर्ष 2022, 2023 एवं 2024 में डेंगू प्रतिवेदित मरीजों की कुल संख्या क्रमशः 13972, 20224 एवं 8827 (अबतक) वर्ष 2022, 2023 एवं 2024 में डेंगू प्रतिवेदित मरीजों की कुल मृत्यु क्रमशः 32, 74 एवं 15 प्रतिवेदित है । तुलनात्मक आँकड़ों से स्पष्ट है कि डेंगू संक्रमण से हुई मृत्यु में पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष गिरावट की प्रवृत्ति दर्ज की गई है ।

विगत तीन वर्ष में राज्य में डेंगू प्रतिवेदित मरीजों की संख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बेहतर Surveillance एवं Notification है :--

- राज्य के सभी जिला अस्पतालों एवं सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में सरकार द्वारा डेंगू ELISA जाँच की निःशुल्क जाँच की सुविधा उपलब्ध कराया गया है।

राज्य के निजी अस्पतालों एवं निजी जाँच केन्द्रों के द्वारा की जा रही डेंगू जाँच में पाये गये धनात्मक डेंगू मरीजों को भी उक्त आँकड़ें में शामिल किया गया है ।

(3) स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार राज्य में डेंगू नियंत्रण हेतु पूर्णतः सचेत है एवं इस हेतु निम्नलिखित कार्रवाइयाँ की गई है :--

- डेंगू नियंत्रणार्थ आवश्यक निरोधात्मक एवं उपचारात्मक गतिविधियों का क्रियान्वयन स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम/नगर पंचायत के साथ समन्वय स्थापित कर किया जा रहा है ।

कार्रवाई करना

29. श्री जनक सिंह (क्षेत्र संख्या-116 तरैया)--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 26 जुलाई, 2024 को प्रकाशित शीर्षक "जिसे स्वीकृति नहीं, उसी एजेंसी को ब्रेडा ने दिया 175 करोड़ को टेंडर" के आलोक में क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में मई, 2022 से मई, 2024 तक बिहार रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (ब्रेडा) द्वारा मेसर्स सैन एनर्जी नामक एजेंसी को 35.4 मेगावाट का काम दिया गया जो लगभग 175 करोड़ की राशि की है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त एजेंसी केन्द्र सरकार द्वारा सूचीबद्ध नहीं है और ब्रेडा के अधिकारियों द्वारा केन्द्र सरकार की गाइड लाइन के विपरीत उक्त एजेंसी का काम दिया गया है ;

(3) क्या यह बात सही है कि एजेंसी द्वारा एक ही मेटेरियल को कई स्थानों पर सप्लाई दिखाकर भुगतान को लिया गया जो वित्तीय अनियमितता है ;

(4) यदि उक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त कार्यों की उच्चस्तरीय जाँच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 29 नवम्बर, 2024 (ई0) ।

ख्याति सिंह,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान सभा ।

बि0स0मु0, 50(एल0ए0), 2024-25-डी0टी0पी0-550

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा मुद्रित
2024